

| विज्ञान और तकनीक में हो रहे अनुसंधान की लोगों को मिले जानकारी: प्रो. सुमन

09 Oct 2023 18:03:09



धर्मशाला, 09 अक्टूबर (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में भौतिकी विभाग की ओर से आउटरीच गतिविधि के तहत आयोजित किए जा रहे एक्सपेरिमेंटस डेमोनस्ट्रेशन कार्यक्रम का आगाज हुआ। यह कार्यक्रम 13 अक्टूबर तक चलगा।

कार्यक्रम के पहले दिन बतौर मुख्यातिथि सीपू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुमन शर्मा ने कहा कि विज्ञान और तकनीक में जो अनुसंधान हो रहे हैं उनके बारे में लोगों को जानकारी मिलनी चाहिए। आउटरीच गतिविधि से यह हो सकता है। वहीं प्रो. छाया चावडा ने कहा कि इस कार्यक्रम में विद्यार्थी शोध के प्रति आकर्षित होंगे और यह शोध उनको अपना कैरियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

वहीं विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार ने बताया कि नौ अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर परिसर में इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के करीब दो हजार छात्र भाग लेंगे।

इस दौरान डॉ गौरीशंकर साहु ने बौद्धिक कार्यक्रम का संयोजन किया। डॉ सुरेन्द्र, डॉ विकास, डॉ अयान, डॉ नूरजहाँ और भौतिक विभाग के सारे शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मियों को कार्यक्रम के सफल बनाने के लिए कुलसचिव डॉ विशाल सूद ने बधाई दी। कार्यक्रम में शाहपुर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 60 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुमन शर्मा एवं इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. छाया चावडा सहित गांधीनगर के वैज्ञानिक डॉ चेतन जरीवाला, विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार, डॉ राजेश कुमार सिंह सहित शिक्षक व छात्र वर्ग मौजूद रहा।

हिन्दुस्थान समाचार/सतेंद्र/सुनील

| प्लाज्मा अनुसंधान कृषि क्षेत्र को दे सकता है नई दिशा : डॉ सुदेश यादव

13 Oct 2023 17:37:51



धर्मशाला, 13 अक्टूबर (हि.स.)। परमाणु ऊर्जा विभाग भारत सरकार के प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शनी का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के समापन मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पालमपुर स्थित सी.एस.आई.आर.-आई.एच.बी.टी. के निदेशक डॉ सुदेश कुमार यादव रहे। उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्माण्ड के लगभग 99 प्रतिशत भाग प्लाज्मा हैं, लेकिन हम इसके विषय में नहीं जानते हैं। प्लाज्मा अनुसंधान कृषि क्षेत्र को नई दिशा दे सकता है।

वहीं आइजर कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार पाणीग्राही कहा कि कांटम कम्प्यूटेशन कैसे कण विज्ञान और क्वार्क-ग्लुऑन प्लाज्मा के तात्विक शोध को नई दिशा दे सकता है।

वहीं एच.ए.एस. करतार धीमान ने रिसर्च उपकरणों को आम आदमी के पास लाकर युवाओं को शोध के प्रति आकर्षित करने वाले आउटरीच कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह युवा शोधार्थियों को अपने कैरियर के लिए प्रेरित करेगा। सीपू के डी.एस.डब्ल्यू, प्रोफेसर अंबरीश कुमार महाजन ने कहा कि प्लाज्मा तकनीक हरित उर्जा विकसित करने के सामर्थ्य रखता है और यह हमारे परिवेश को नष्ट होने से बचा सकता है।

उधर कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर ओ.एस.के.एस. शास्त्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 2200 प्रतिभागियों ने भाग लिया जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। कार्यक्रम संयोजक तथा पावर वीम सोसाइटी आफ इण्डिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ गौरीशंकर साहु ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। डॉ गौरीशंकर साहु ने बताया कि सीपू के कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम हुआ।

सीपू में आईपीआर द्वारा आयोजित कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में प्लाज्मा, इसके अनुप्रयोगों और परमाणु संलयन के 25 से अधिक मॉडल दिखाए गए। सुपरकंडक्टर आधारित चुंबकीय उत्तोलन, उच्च आवृत्ति प्लाज्मा, परमाणु संलयन का उपयोग करके ऊर्जा उत्पादन की पद्धति, स्वदेशी रूप से विकसित क्रायोजेनिक पंप का उपयोग करते हुए बहुत कम तापमान पर काम करने वाली मशीन, कपड़ा, चिकित्सा और अपशिष्ट प्रबंधन में प्लाज्मा के उपयोग, हिमाचल के अंगोरा उन की गुणवत्ता बढ़ाने वाले प्लाज्मा तकनीक आदि कई चीजें विभिन्न स्कूल, कालेज से आई प्रतिभागियों को दिखाई गईं। प्रदर्शनी में आने वाले छात्रों ने प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अद्भुत दुनिया को देखने और समझने का जीवन भर न भूलने वाला अनुभव प्राप्त किया है।

कार्यक्रम में सात वैज्ञानिक किए गए सम्मानित

आईपीआर टीम में आईपीआर के आउटरीच डिवीजन के प्रमुख डॉ. एवी रवि कुमार के नेतृत्व में आए सात वैज्ञानिक छाया चावडा, हर्षा मच्छर, ई. चेतन जरीवाला, राहुल विश्वकर्मा, आनंद कुमार, गौरव जोगी को समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित अन्य महान विभूतियों द्वारा सम्मानित किया गया।

हिन्दुस्थान समाचार/सतेंद्र/सुनील

बेहतरीन काम के लिए वैज्ञानिकों को सम्मान

केंद्रीय विश्वविद्यालय शाहपुर में प्लाज्मा एग्जीविशेन एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम का आगाज

स्टाफ रिपोर्टर-धर्मशाला

केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के शाहपुर परिसर के सेमिनार हॉल में प्लाज्मा एग्जीविशेन एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। डा. एवी रवि कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. बीसी चौहान, प्रो. राजेश कुमार का आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में डा. एवी रवि कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश को बधाई दी। इस अवसर पर

साइंटिस्ट एंड
हैड आउटरीच
प्रभाग, प्लाज्मा
अनुसंधान
संस्थान भाट
गांधीनगर

डा.
एवी रवि कुमार
ने बताया कि हम

अपने समान्य दिनचर्या में लगभग हर दिन अपने घरों में प्लाज्मा का किसी न किसी रूप में इस्तेमाल करते हैं। कार्यक्रम में छाया चावड़ा वैज्ञानिक-एच, हर्षा मच्छर वैज्ञानिक जैव विज्ञानिक-एफ, चेतन जरीवाला वैज्ञानिक-जी, राहुल विश्वकर्मा वैज्ञानिक-डी, आनंद कुमार वैज्ञानिक-डी, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान के



गौरव जोगी वैज्ञानिक-एफ आईटीईआर-भारत, प्रो. सुनील कुमार निदेशक आर एंड डी सेल, प्रो. भाग चंद चौहान कैंपस निदेशक, प्रो. राजेश कुमार डीन स्कूल ऑफ फिजिक्स एंड मैटेरियल साइंस और सह-अध्यक्ष, डा. गौरीशंकर साहू संयोजक को उनके बेहतरीन कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

का शिका
सचिव बी
मंजू राणा
मेंबर्स भी

बैजना

बैजनाथ
विरोध त

बाजार
बढ़-सं

क्योंकि
एवं ल

लेकर

में प्रति

लगे वृ

कूड़ा-

दुकान

पंचाय

में अ
कर्क
बीड
बैज
गय

प्लाज्मा तकनीक हरित सतत् ऊर्जा का स्रोत

शाहपुर, 11 अक्टूबर (ब्यूरो):
केंद्रीय विश्वविद्यालय शाहपुर परिसर
में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम
में प्लाज्मा अनुसंधान गांधीनगर के
साइंटिस्ट डा. ए.वी. रवि कुमार ने
कहा कि हम अपनी सामान्य दिनचर्या
में लगभग हर दिन घरों में प्लाज्मा
का किसी न किसी रूप में इस्तेमाल
करते हैं। हमारे ब्रह्मांड का लगभग
99 प्रतिशत हिस्सा प्लाज्मा अवस्था
में ही उपस्थित है। प्लाज्मा तकनीक
के इस्तेमाल से नाभिकीय संलयन
को प्राप्त कर भविष्य के लिए हरित
सतत् ऊर्जा को विकसित किया जा
सकता है।